

---

# Ashirvadatmakam Patram

---

## आशीर्वादात्मकं पत्रम्

---

### Document Information

Text title : Ashirvadatmakam Patram1

File name : AshIrvAdAtmakaMpatram1.itx

Category : misc, shrIdharasvAmI, advice

Location : doc\_z\_misc\_general

Author : Shridharasvami

Proofread by : Manish Gavkar

Description/comments : shrIdharasvAmI stotraratnamAlikA

Latest update : February 11, 2023

Send corrections to : Sanskrit@cheerful.com

---

This text is prepared by volunteers and is to be used for personal study and research. The file is not to be copied or reposted without permission, for promotion of any website or individuals or for commercial purpose.

**Please help to maintain respect for volunteer spirit.**

---

Please note that proofreading is done using Devanagari version and other language/scripts are generated using **sanscript**.

---

February 12, 2023

*sanskritdocuments.org*

---

आशीर्वादात्मकं पत्रम्



(अनुष्टुप्छन्दः)

विलसन्त्वाशिषो मे त्वां सदा रक्षन्तु विघ्नतः ।  
श्रीविघ्नेशप्रसादेन पूर्णत्वं शीघ्रमाप्नुहि ॥ १ ॥

भविष्यति ज्ञानसत्रं गन्तव्यं पत्रतः श्रुतम् ।  
स्वस्त्यस्तु ते सुखं गच्छ गमनेच्छैव ते यदि ॥ २ ॥

तुभ्यं यद्रोचते सत्यं तत्कुरुष्व सदानघ ।  
प्रतिबन्धो न मे कश्चित्परमार्थैकसाधने ॥ ३ ॥

नाज्ञानवशतः कश्चिदविचारो प्रभवेत्कचित् ।  
सदा समाहितो भूत्वा चिन्तयात्मानमात्मनि ॥ ४ ॥

प्राप्यत्वात् सुखरूपत्वादाधारत्पात्स्वरूपतः ।  
ब्रह्मरूपं चिनुष्वत्र कृतकृत्यत्वमाप्नुहि ॥ ५ ॥

श्रवणं तु परं पूर्वं मननं तदनन्तरम् ।  
निधिध्यासनमेवाहुः पूर्णबोधस्यकारणम् ॥ ६ ॥

आत्मनोऽन्यतया भान्तं चराचरमिदं जगत् ।  
आत्ममात्रतया बुद्ध्या सुखमस्मीति भावय ॥ ७ ॥

विलाप्य विकृतिं कृत्स्नां सम्भवव्यत्ययक्रमात् ।  
परिशिष्टनिजानन्दं चिन्मात्रमिति चिन्तय ॥ ८ ॥

राराजतां मोक्षधर्मो निजानन्दः प्रवर्तताम् ।  
अकुण्ठितज्ञानसत्रं सर्वान् सन्तर्पयत्विह ॥ ९ ॥

इति श्रीमत् परमहंसपरिव्राजकाचार्य सद्गुरु भगवान्  
श्रीधरस्वामीमहाराजविरचितं उपदेशात्मकं पत्रं सम्पूर्णम् ।  
सज्जनगिरि, ज्येष्ठ शुद्ध ५, संवत्सरः - १९६९

Proofread by Manish Gavkar

---

*Ashirvadatmakam Patram*

pdf was typeset on February 12, 2023

Please send corrections to [sanskrit@cheerful.com](mailto:sanskrit@cheerful.com)

